हिन्दी शिक्षण (षष्ठ-पत्र) शिक्षा-शास्त्री प्रथमवर्ष

इकाई-07 हिन्दी में मूल्यांकन

मूल्यांकन का अर्थ- मूल्यांकन का सम्बन्ध शिक्षा के व्यापक उद्देश्यों एवं व्यक्तित्व के परिवर्तनों से है, जिसमें विषय-वस्तु के ज्ञान के साथ-साथ अभिरुचि, व्यक्तित्व के गुण, अभिवृत्ति आदि के विकास और परिवर्तन का ज्ञान किया जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में शिक्षक नियोजित शिक्षण विधियों, प्रविधियों, अनुदेशन तथा अन्य शिक्षण सहायक सामग्री की उपयोगिता का भी मूल्यांकन करता है। शिक्षक उत्तम साधनों तथा स्रोतों का प्रयोग अधिगम के लिए करता है, जिससे उसके शिक्षण कौशल का विकास होता है।

मूल्यांकन एक प्रक्रिया है, जिसके द्वारा अधिगम परिस्थितियों तथा सीखने के अनुभवों के लिए प्रयुक्त की जाने वाली सभी विधियों एवं प्रविधियों की उपादेयता की जाँच की जाती है।

परिभाषाएँ-

(1) क्लार तथा स्थर के अनुसार- "मूल्यांकन वह निर्णय या विश्लेषण है, जो किसी विद्यार्थी के विषय में प्राप्त सूचनाओं के आधार पर निकाला जाता है।

(2) वलालेन तथा हन्ना के अनुसार- "छात्रों के व्यवहार-परिवर्तन के सम्बन्ध में प्रश्नों के सँकलन तथा उसकी व्याख्या करने की प्रक्रिया को मूल्यांकन कहते हैं।

(3) माइकेलिस के अनुसार- "मूल्यांकन उद्देश्य की प्राप्ति सीमा निर्धारण करने की प्रक्रिया है। मूल्यांकन में प्राप्त निर्देशों को जाँचने के लिए विद्यालय प्रशासन एवं संगठन की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

Scanned by CamScanner

मूल्याङ्कन प्रक्रिया

डॉ. ब्लूम ने त्रिभुज के माध्यम से मूल्याङ्कन प्रक्रिया को निम्नलिखित ढंग से परिभाषित किया है -

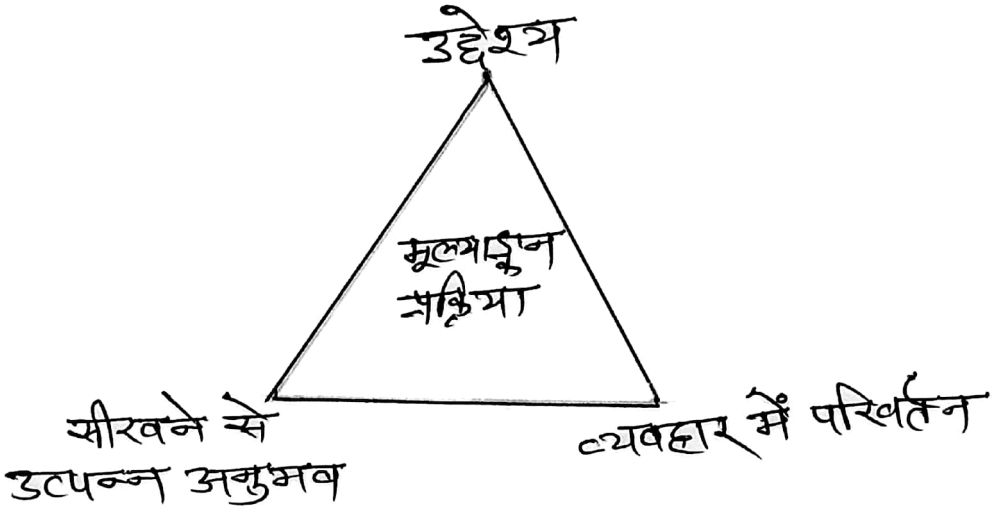

इसके तीन आधार बिन्दु हैं -

(i) शिक्षण उद्देश्यों का निर्धारण और परिभाषीकरण।
(ii) शिक्षण क्रियाओं द्वारा उपयुक्त सीखने के अनुभव प्रदान करना।
(iii) व्यवहारगत परिवर्तन के आधार पर मूल्याङ्कन करना।

अतः मूल्याङ्कन शिक्षा व्यवस्था में चलने वाली वह प्रक्रिया है, जो उद्देश्य, सीखने के अनुभव और मूल्याङ्कन साधनों के माध्यम से निरन्तर चलती रहती है।

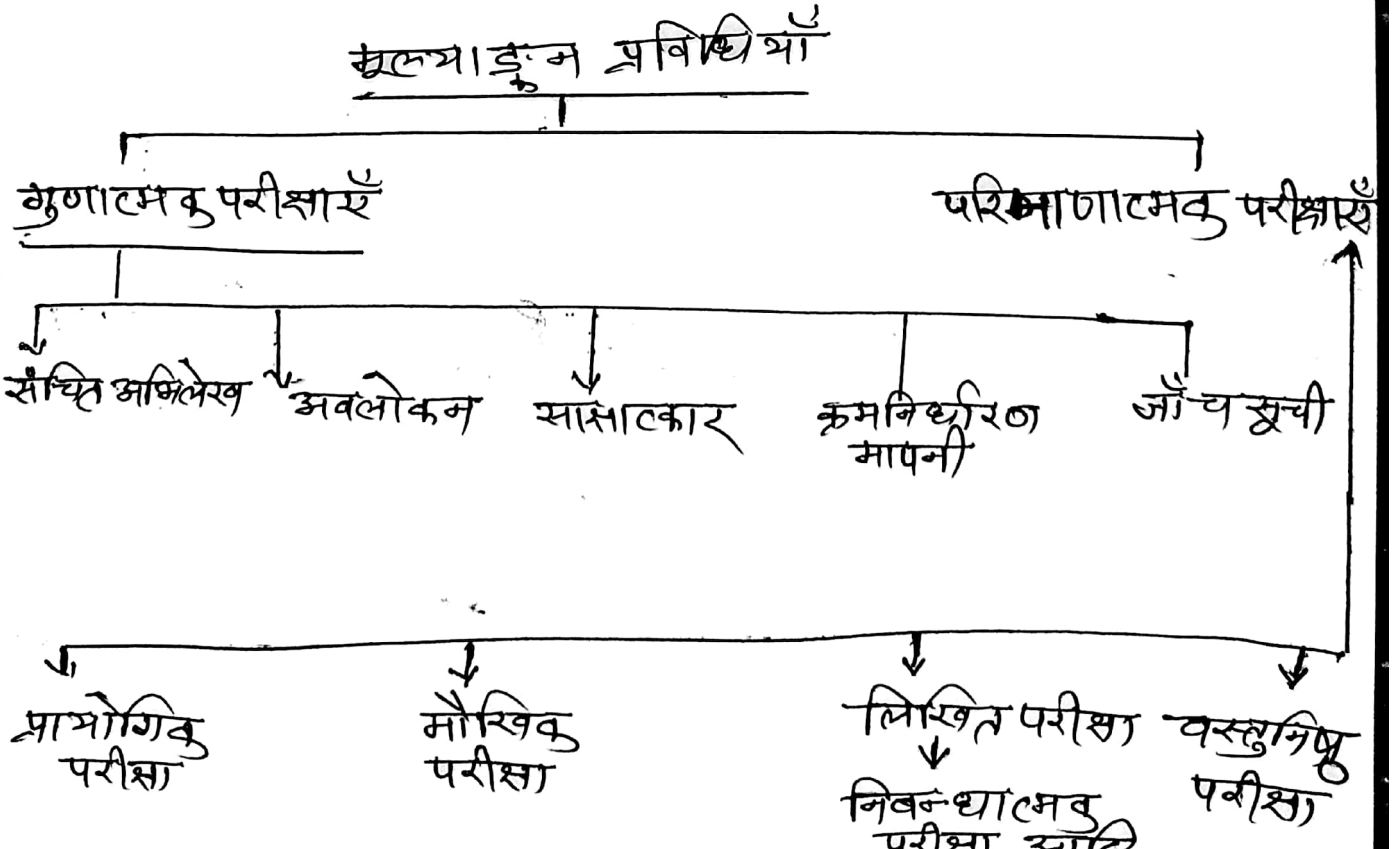

Scanned by CamScanner

मूल्यांकन का महत्व

शिक्षा में मूल्यांकन का छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों - तीनों की दृष्टि से बहुत महत्व है। छात्रों को अपनी प्रगति और योग्यता का पता लगता है, जिससे उनमें आत्मविश्वास का विकास होता है, उनको अध्ययन और परिश्रम करने की प्रेरणा मिलती है। अध्यापक को अपनी शिक्षण विधि और शिक्षा योजना में सुधार करने का अवसर मिलता है। अभिभावकों को अपने बालकों की प्रगति का ज्ञान होता है। शिक्षा में मूल्यांकन के महत्व को इस प्रकार स्पष्ट कर सकते हैं-

(I) योग्य छात्रों के चयन में सहायक।
(II) पाठ्य विषयों के चुनाव में सहायक।
(III) छात्रों के मार्गदर्शन में सहायक।
(IV) छात्रों को अध्ययन के लिए प्रेरित करना।
(V) छात्रों की प्रगति का ज्ञान
(VI) निदानात्मक शिक्षण में सहायक।
(VII) हिन्दी शिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक।
(VIII) शिक्षण विधियों के चयन में सहायक।
(IX) अध्यापकों के कार्य की जाँच
(X) शिक्षा में अपव्यय का निवारण
(XI) शिक्षण प्रक्रिया में परिवर्तन और संशोधन में सहायक।
(XII) पाठ्यक्रम में संशोधन।
(XIII) प्रशासन एवं प्रबन्धकीय कार्यों में सुधार।

मापन उपकरण की विशेषताएँ

मूल्यांकन हेतु विभिन्न प्रकार की परीक्षाएँ आयोजित की जाती हैं। विद्वानों द्वारा मूल्यांकन की निम्नलिखित विशेषताएँ बताई गई हैं-

(I) वस्तुनिष्ठता - एक उत्तम प्रकार की परीक्षा वस्तुनिष्ठ

Scanned by CamScanner

होनी चाहिए। अंकन में व्यक्तिगत पक्षों का प्रभाव नहीं होना चाहिए।

(2) विश्वसनीयता → अच्छी परीक्षा विश्वसनीय होनी चाहिए। यदि किसी परीक्षा को एक ही समूह को दूसरी बार दें तब उसके अंकों में अन्तर नहीं होनी चाहिए।

(3) वैधता → उत्तम परीक्षा वैध होती है। वैधता से तात्पर्य परीक्षा की सार्थकता से है। परीक्षा जिस मापन के लिए बनाई गई है, उसका उसे मापन करना चाहिए। शैक्षिक मापन में परीक्षाओं का वैध होना आवश्यक होता है, क्योंकि अधिकांश मापन अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। मानदण्ड परीक्षा की वैधता गुणांक की गणना करनी चाहिए। परीक्षा के अंकों तथा मानदण्ड-परीक्षा के अंकों के सह-सम्बन्ध गुणांक की गणना करने से वैधता के स्तर की जाँच की जाती है।

(4) व्यावहारिता - एक उत्तम परीक्षा की प्रमुख विशेषता यह होती है कि उसका प्रयोग अंकन एवं प्राप्ति प्रदत्तों की व्याख्या करना सरल होता है। किसी भी परीक्षा की रचना छात्रों के अधिगम उपलब्धियों के लिए की जाती है। अतः परीक्षा का व्यावहारिक होना नितान्त आवश्यक होता है।

(5) विभेदीकरण - मूल्यांकन को सक्षम और अक्षम छात्रों में भेद कर सकने की सामर्थ्य होनी चाहिए। कोई भी परीक्षा तभी विभेदीकारी है, जब उसका प्रत्येक पद विभेदीकारी हो। इसके लिए प्रत्येक पद का विभेदीकरण ज्ञात किया जाता है तथा समुचित विभेदीकारी मान वाले पदों को ही परीक्षण में सम्मिलित किया जाता है।

(6) मूल्यांकन की सरलता - यह इस प्रविधि की विशेषता है। अंक प्रदान करने में सरलता और एकरूपता भी होनी चाहिए।

Scanned by CamScanner